Printed Pages – 4

I-100

B.A. (Part-III) Examination, 2020

SANSKRIT

Paper - II

(काव्य, अलङ्कार तथा निबंध)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

इकाई–I

Q. 1. अधोलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **20**

(क) द्विषां विघाताय विधातुमिच्छतो,
रहस्यनुज्ञामधिगम्य भूभृतः।
स सौष्ठवौदार्य विशेषशालिनीं
विनिश्चितार्थमिति वाचमाददे।।

(ख) सखीनिव प्रीतियुजोऽनुजीविनः,
समानमानन् सुहृदश्च बन्धुभिः।
स सन्ततं दर्शयते गतस्मयः,
कृताधिपत्यामिव साधु बन्धुताम्।।

(ग) वसूनि वाण्छन्न वशी न मन्युना,
स्वधर्म इत्येव निवृत्तकारणः।
गुरूपदिष्टेन रिपौ सुतेऽपि वा
निहन्ति दण्डेन स धर्मविप्लवम्।।

(घ) विहाय शान्ति नृप धाम तत्पुनः
प्रसीद सन्धेहि वधाय बिद्विषाम्।
ब्रजन्ति शत्रूनवधूय निस्पृहाः
शमेन सिद्धिं मुनयो न भूभृतः।।

इकाई–II

Q. 2. महाकवि भारवि की भाषा और शैली पर प्रकाश डालिये। **10**

अथवा

'किरार्ताजुनीयम्' के आधार पर दुर्योधन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

इकाई–III

Q. 3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पद्यों की व्याख्या कीजिए : **15**

(क) स जगाम वनं वीरः प्रतिज्ञामनुपालयन्।
पितुर्वचननिर्देशात्कैकेय्याः प्रियकारणात्।।

(ख) ततो दग्ध्वा पुरीं लङ्कामृते सीतां च मैथिलीम्।
रामाय प्रियमाख्यातुं पुनरायान्महाकपिः।।

(ग) चित्रकूटं गते रामे पुत्रशोकातुरस्तदा।

राजा दशरथः स्वर्गं जगाम विलपन्सुतम्।।

(घ) स च सर्वगुणोपेतः कौसल्यानन्दवर्धनः।

समुद्र इव गाम्भीर्येण धैर्येण हिमवानिव।।

(ङ) सर्वलक्षणसम्पन्ना नारीणामुत्तमा वधूः।

सीताप्यनुगता रामं शशिनं रोहिणी यथा।।

अथवा

'मूल रामायण' के आधार पर राम की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

इकाई–IV

Q. 4. किन्हीं तीन अलङ्कारों के लक्षण सोदाहरण लिखिये : **15**

(क) यमक अलंकार।

(ख) उपमा अलंकार।

(ग) अर्थान्तरन्यास अलंकार।

(घ) विभावना अलंकार।

(ङ) अनुप्रास अलंकार।

इकाई–V

Q. 5. किसी एक विषय पर 15 वाक्यों में संस्कृत में निबंध लिखिए : **15**

(क) अनुशासनम्

(ख) विद्या

(ग) अहिंसा परमो धर्मः

(घ) पर्यावरण संरक्षणम्

(ङ) उपमा कालिदासस्य